अनीता करवल, भा.प्र.से.
अध्यक्ष
Anita Karwal, IAS
Chairperson

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

अध्यक्ष/सीबीएसई/2019 **अप्रैल 29, 2019**

प्रिय अभिभावक,

सीबीएसई की ओर से अभिवादन !

सीबीएसई ने हमेशा छात्रों के समग्र विकास और आनंददायी शिक्षा को सबसे आगे रखा है और इस उद्देश्य को बढ़ाने वाले तरीकों और प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित किया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन सर्वेक्षण (2017-18) बताता है कि सीबीएसई छात्रों की सक्षमता राष्ट्रीय औसत से ऊपर है, फिर भी सुधार की गुंजाइश है।

पिछले शैक्षणिक सत्र में, कई हितधारकों के साथ कई मुद्दों पर कई दौर की चर्चा के बाद, जिसमें प्रधानाचार्य, शिक्षक और विषय विशेषज्ञ शामिल थे, बोर्ड ने कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए जिन्हें वर्तमान सत्र से लागू किया जाना है, जिसमें समग्र उद्देश्य से एक स्कूल प्रणाली जो अपने शिक्षार्थियों के लिए आनंदपूर्ण, रचनात्मक, खोजपूर्ण और जीवंत स्कूल अनुभव और वातावरण प्रदान करती है।

बोर्ड से संबद्ध स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के माता-पिता के रूप में, आप एक महत्वपूर्ण हितधारक हैं। इसलिए, जैसे ही नया शैक्षणिक सत्र शुरू होता है, बोर्ड के फैसलों की जानकारी आपको होनी चाहिए। यहां उन प्रमुख निर्णयों की एक सूची दी गई है, जो इस आशा के साथ आपको बताए जा रहे हैं कि आप इनमें से प्रत्येक क्षेत्र में अपने बच्चे की प्रगति की निगरानी करना चाहेंगे:

1. **अधिगम परिणामों** को शिक्षा के प्रारंभिक चरण में ही परिभाषित किया गया है (कक्षा 1 से 8 के लिए)। दक्षताओं का एक अच्छी तरह से परिभाषित सेट है जो एनसीईआरटी ने निकाला है और यह www.ncert.nic.in/ departments/nie/dee/publication/print_material.html पर उपलब्ध है। माता-पिता के रूप में, आपको अपने आप को उन दक्षताओं से अवगत कराना चाहिए जो आपके बच्चे प्रत्येक कक्षा में, प्रत्येक विषय में हासिल करने वाले हैं। यह आपको दैनिक आधार पर अपने बच्चे की प्रगति की जांच करने में मदद करेगा और यह भी पता करेगा कि क्या कक्षा कार्यवाही इन दक्षताओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है और स्कूल आपके बच्चे के लिए प्रयास कर रहा है। यह उम्मीद है कि माता-पिता, स्कूलों और प्रबंध समितियों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने में एक सहयोगी भूमिका निभानी चाहिए (कृपया परिपत्र शैक्ष-11/2019 दिनांक 6.3.19 देखें।)।

2. **प्रायोगिक अधिगम नए शैक्षणिक वर्ष 2019-20 के लिए विषयवस्तु है**। सरल शब्दों में अनुभवात्मक अधिगम "करके सीखना" की प्रक्रिया है और शिक्षण को आनंदमय बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण इनपुट है। सीखने की सीखने की बाल जन्मजात क्षमता विकसित करने पर शैक्षणिक ऊर्जाओं को केंद्रित करने के उद्देश्य से, बोर्ड कक्षा कार्य संपादन और शिक्षाशास्त्र के इस रूप में प्रधानाचार्यों का गहन प्रशिक्षण

करेगा, जो बदले में यह सुनिश्चित करने की अपेक्षा की जाती हैं कि उनके स्कूल सभी शिक्षक इसे अपनाते हैं। इस कार्यप्रणाली से पीटीएम में या अपने बच्चे के साथ चर्चा के माध्यम से खुद को परिचित करें, और स्कूल को फीडबैक दें ।

3. बोर्ड के अनुभवात्मक शिक्षाशास्त्र के भाग के रूप में, **प्रत्येक स्कूल कक्षा I-X से कला शिक्षा के लिए प्रति सप्ताह, कक्षा में न्यूनतम दो पीरियड अनिवार्य रूप से आरक्षित करेगा।** अनुभवात्मक शिक्षण के लिए एक उपकरण के रूप में उपयोग करके, कला को शिक्षा के साथ भी एकीकृत किया जाना चाहिए। यह ज्ञान का निर्माण करने और सीखने के नए तरीकों का पता लगाने की बच्चों की अपनी क्षमता को बढ़ाने के लिए किया गया है। यांत्रिक पुनर्प्राप्ति या तथाकथित रटकर सीखने (रॉट लर्निंग) से यह एक स्पष्ट विचलन है । बोर्ड शिक्षा के साथ-साथ एकीकरण के रूप में कला (दृश्य और / या प्रदर्शन) के सभी रूपों की सिफारिश करता है। सभी विषयों में क्रॉस-कटिंग थीम को कला एकीकरण बनाते हुये बोर्ड ने छठी से आठवीं कक्षा के छात्रों के लिए पाक कला को भी शामिल किया है (खाना बनाने पर पाठ सहित) । <u>(परिपत्र संख्या। शैक्ष-12/ 2019 दिनांक 8.3.19)</u>। यह स्वीकार्य तथ्य है कि सभी स्तरों में छात्रों द्वारा अपनाए जा रहे सभी विषयों के लिए रचनात्मक सोच और समस्या को सुलझाने की क्षमता आवश्यकता होती है । कला शिक्षा बच्चे को किसी भी विषय में अवधारणाओं / विषयों की गहन समझ के लिए कला-आधारित पूछताछ, जांच और अन्वेषण, विवेचनात्मक सोच और रचनात्मकता को लागू करने में मदद करने के मान्यता प्राप्त तरीकों में से एक है। 21 वीं सदी के कौशलों की कौशल आवश्यकताएं उन कौशल से मेल खाती हैं जो एक बच्चा कला शिक्षा के माध्यम से प्राप्त करता है। इसलिए, अपने बच्चों को सभी स्तरों पर कला के विभिन्न रूपों जैसा कि स्कूल द्वारा की पेशकश की है को लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

4. खेल और शारीरिक शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए, बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2019-20 से **सभी स्कूलों के लिए कक्षा 1 तक 12 के लिए खेल के लिए प्रति दिन एक पीरियड सुनिश्चित करना अनिवार्य कर दिया है।** <u>(परिपत्र संख्या शैक्ष -10/2018 दिनांक 21.3.2018 और परिपत्र संख्या शैक्ष -16/2019 दिनांक 9.11.19)।</u> अनुसंधान का एक बढ़ता हुआ निकाय है जो खेल और शारीरिक गतिविधियों में एक बच्चे की भागीदारी को शैक्षणिक में उसकी उपलब्धियों से सीधे जोड़ती है। इस बात के प्रमाण हैं कि शारीरिक गतिविधि से मस्तिष्क के तारों में लंबे समय तक परिवर्तन होता है, जिससे याददाश्त, एकाग्रता अवधि और संख्यात्मकता और साहित्यिक कौशल में सुधार होता है। खेलों के माध्यम से चिंता और अवसाद का निवारण एक सुपरिचित पहलू है। इसी तरह, दुनिया भर में अनुसंधान ने सिद्ध किया है कि योग के अभ्यास से कोर्टिसोल का स्तर कम होता है, जिससे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है; यह संतुलित चयापचय को बनाए रखने के अलावा, कार्डियो और श्वसन स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। यदि आप बच्चे को स्कूल में और स्कूल के बाहर नियमित रूप से शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं तो यह आपके बच्चे की मानसिक और शारीरिक वृद्धि के हित में होगा। यदि स्कूल ने प्रतिदिन स्पोर्ट्स/खेल/योग गतिविधियों के एक पीरियड का प्रावधान नहीं किया है, तो स्कूल के साथ बात करें और सुनिश्चित करें कि आपके बच्चे को उसकी समग्र प्रगति के लिए इस महत्वपूर्ण इनपुट से लाभ हो।

5. बोर्ड ने कक्षा 12 में पांच में से केवल एक विषय को अनिवार्य किया है, वह है, भाषा, जो कि अंग्रेजी या हिंदी हो सकती है। बाकी चार विषयों के लिए, बच्चा **किसी भी विषय के संयोजन का चयन करने के लिए स्वतंत्र है, बशर्ते वह उसके स्कूल में उपलब्ध हो।** यह स्पष्ट किया जाता है कि बोर्ड की अध्ययन की "स्ट्रीम" की कोई प्रणाली नहीं है। विद्यालयों द्वारा वहां पढ़ाए जा रहे विषयों के आधार पर स्ट्रीम बनाई जाती हैं। इसलिए, संयोजनों का चयन करते समय, अपने बच्चे को योग्यता, रुचि, झुकाव और भविष्य के अध्ययन को ध्यान में रखते हुए मार्गदर्शन करें।

6. **+2 के बाद पाठ्यक्रमों का संकलन,** पारंपरिक, लोकप्रिय और नए युग के पाठ्यक्रमों में सही विकल्पों का पता लगाते समय छात्रों और अभिभावकों की सुविधा के लिए बोर्ड का यह पहला प्रयास है। जानकारी सीबीएसई की वेबसाइट www.cbse.nic.in पर उपलब्ध है। यदि आपके बच्चे ने अभी दसवीं कक्षा पूरी की है, तो आपके और आपके बच्चे के लिए इस संकलन का अध्ययन करने का सही समय होगा, जिससे बच्चे को उन विषयों के संयोजन का निर्णय लेने में मदद मिलेगी जो वह वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर लेना चाहता है।

7. भविष्य उस पीढ़ी का है जो भविष्य के कौशल के साथ तैयार है। **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अर्ली चाइल्डहुड केयर एजुकेशन और योग को कौशल विषयों के रूप में पेश करना** सीबीएसई द्वारा कक्षाओं में लाई गई नई अवधारणाओं में से एक है। सत्र 2019-2020 से, बाद में कक्षा IX में वैकल्पिक विषय के रूप में और XI में अनिवार्य ऐच्छिक के रूप में कौशल विषयों की पेशकश की जा सकती है। ये पाठ्यक्रम छात्रों को नौकरी उन्मुख क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं के निर्माण के लिए एक विकल्प प्रदान करते हैं। इन पाठ्यक्रमों के लिए कौशल सेट को एनएसक्यूएफ में निर्धारित की गई नौकरी की भूमिकाओं के साथ जोड़ा गया है, जो छात्रों को वास्तविक जीवन में सफल होने के लिए उत्साहित और उभरने में सक्षम करेगा। ये पाठ्यक्रम पेशेवर संगठनों के सहयोग से पेश किए जाते हैं और संयुक्त प्रमाणपत्र जारी किए जाते हैं, जो छात्रों की नौकरी की संभावनाओं को बढ़ाते हैं। शिक्षण अधिगम में बहु-विषयक दृष्टिकोण को बढ़ाने और नई पीढ़ी को भी संवेदनशील बनाने के लिए, स्कूल कक्षा आठवीं में 12 घंटे का एआई "इंस्पायर मॉड्यूल" शुरू कर सकते हैं। बोर्ड समय-समय पर कौशल विषयों के शिक्षकों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए आवश्यक सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करेगा। (परिपत्र संख्या 14/2019 दिनांक 9.3.19)। यदि आपके बच्चे का स्कूल इनमें से किसी भी विषय की पेशकश कर रहा है, तो आप इस संबंध में अपने बच्चे का मार्गदर्शन सकते हैं ।

8. शिक्षार्थी केंद्रित बोर्ड होने के नाते, बोर्ड का ध्यान छात्रों की विवेचनात्मक सोच, समस्या का समाधान करने, सहयोगी और प्रभावी संचार कौशल को बढ़ाने पर है और तदनुसार इसमें **संशोधित आकलन और मूल्यांकन पैटर्न हैं।** कृपया इस संबंध में बोर्ड के परिपत्र (हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध) का बहुत ध्यान से अध्ययन करें (परिपत्र संख्या शैक्ष-11/2019, दिनांक 6.3.19)। आपको कक्षा X या XII बोर्ड परीक्षाओं में उपस्थित होने वाले अपने बच्चे के साथ नए पैटर्न पर चर्चा करने की आवश्यकता हो सकती है। कृपया यह जानने के लिए कि नए पैटर्न के आधार पर नमूना प्रश्न पत्र कब उपलब्ध कराया जाएगा बोर्ड की वेबसाइट और स्कूल से संपर्क करें । अपने बच्चे को इस नए पैटर्न से परिचित कराने में मदद करें।

9. कक्षा 12 में गणित, भाषा, राजनीति विज्ञान और विधि अध्ययन को छोड़कर कक्षा 10 और 12 में स्कूल-आधारित मूल्यांकन के लिए लगभग सभी शैक्षणिक विषयों में पहले से ही 20 अंक निर्धारित थे ।

शैक्षणिक वर्ष 2019-20 से बारहवीं कक्षा में इन विषयों को **आंतरिक आकलन के उद्देश्य से 20 अंक भी दिए गए हैं।** **स्कूल आधारित आकलनों का अब से बोर्ड परीक्षा के लिए अधिक महत्व है।** उदाहरण के लिए, उपर्युक्त क्रम संख्या 8 पर उल्लिखित बोर्ड के परिपत्र सं शैक्ष-11/2019 दिनांक 6.3.19 देखें, बोर्ड ने दसवीं कक्षा के लिए स्कूल-आधारित आकलन की संरचना निर्धारित की है जिसमें विषय संवर्धन के लिए कई आकलन रणनीतियों - क्विज़/अवधारणा मानचित्र/निकास कार्ड, पोर्टफोलियो तैयार, सामाजिक विज्ञान में परियोजना कार्य करना शामिल है। कृपया सुनिश्चित करें कि बोर्ड परीक्षा में बैठने से पहले, आपका बच्चा कक्षाओं में नियमित रूप से उपस्थित हो और स्कूल-आधारित मूल्यांकन में भी अच्छा करने में सक्षम हो, क्योंकि स्कूल-आधारित मूल्यांकन और बोर्ड परीक्षाओं को उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

10. **सीबीएसई ने दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा के लिए मार्च, 2020 को समाप्त होने वाले शैक्षणिक सत्र के लिए माध्यमिक कक्षाओं में गणित में दो स्तर की परीक्षाओं के आयोजन का एक अग्रणी निर्णय लिया है** और संबंधित एफ़एक्यू के लिए http://cbseacademicc.nic.in/web material/Circulars/2019/03Circular2019.pdf और http://cbseacademic.nic.in/web material/Circulars/2019/03_CircularFAQ_2019.pdf देखें। छात्र मैथ्स स्टैंडर्ड (परीक्षा का वर्तमान स्तर) या मैथ्स बेसिक (परीक्षा का आसान स्तर) का विकल्प चुन सकते हैं। जबकि कक्षाओं के शिक्षण और परीक्षा के दोनों स्तरों के लिए आंतरिक आकलन समान होंगे, यह बोर्ड की परीक्षाओं के लिए पंजीकरण के समय बच्चा किसी एक स्तर का चयन कर सकता है। इस स्तर पर अभिभावक का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण होगा।

11. बोर्ड ने 2020 में कक्षा 10 और 12 के लिए बोर्ड परीक्षाओं के लिए उम्मीदवारों को पंजीकृत करने के लिए कक्षा 9 और 11 के छात्रों के लिए पंजीकरण करने की तारीखों को आगे बढ़ा दिया है। एक अभिभावक के रूप में यह महत्वपूर्ण है कि संबंधित दिशानिर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करके आप अपने बच्चे का इस अभ्यास में मार्गदर्शन करें । **आपको यह भी सुनिश्चित करना होगा कि आपके बच्चे से संबधित सभी विवरण जो ऑनलाइन भरे गए हैं, सही हैं।** आपको यह जांचने का अवसर मिलेगा जब स्कूल आपके बच्चे के भरे हुए ऑनलाइन फॉर्म के प्रिंट आउट पर आपके हस्ताक्षर करने के लिए कहेगा। इस स्तर पर आपकी सतर्कता आपके बच्चे के लिए सहज यात्रा सुनिश्चित करने में सहायक होगी।

12. **कक्षा X और XII की बोर्ड परीक्षा के दौरान बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्तियों को दी जाने वाली छूट / रियायतें परिपत्र संख्या CBSE/COORD/112233/2019 दिनांक 12 अप्रैल, 2019 में निर्दिष्ट की गई हैं।** (Http://cbse.nic.in/newsite/attach/CWSN%20April%202019.pdf)। कृपया इस परिपत्र को विस्तार से पढ़ें ताकि आवश्यकता पड़ने पर आप बोर्ड परीक्षा के दौरान अपने बच्चे की सुविधा सेवा का लाभ उठा सकें, यदि अपेक्षित हो ।

13. बोर्ड ने विचारों के आदान-प्रदान, संसाधनों (जहाँ भी संभव हो), शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल, आदि को साझा करने को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में **पांच स्कूलों के कलस्टर का गठन किया है जिसे "हब ऑफ़ लर्निंग" कहा जाता है।** इन 'हब' से एक दूसरे के अभिनव प्रथाओं से सीखने की भी उम्मीद की जाती है। । बोर्ड का मानना है कि विशेषज्ञता एकीकरण और संसाधनों को साझा करने से, सीबीएसई के दायरे में आने वाले सभी स्कूल भविष्य के लिए तैयार होंगे (कृपया परिपत्र संख्या एएफ़एफ़-12 दिनांक

9.319 देखें)। आप अपने आस-पास के अन्य स्कूलों के बारे में अपने बच्चे के स्कूल से पता लगा सकते हैं जो उसी 'हब ऑफ लर्निंग' में हैं; फिर आप ऐसे स्कूलों के अभिभावकों से बातचीत कर सकते हैं और इन स्कूलों की नवीन प्रथाओं के बारे में अधिक जान सकते हैं, जिन्हें आप अपने बच्चे के स्कूल के फीडबैक के रूप में पीटीएम में प्रस्तुत कर सकते हैं।

14. बोर्ड वितरण प्रणाली में सुधार के लिए लगातार प्रयास करता है और नई, उपयुक्त और उपयोगकर्ता के अनुकूल तकनीक का उपयोग करता है। अपनी नीतियों के व्यापक प्रसार को सुनिश्चित करने के लिए, **माता-पिता, छात्रों और जनता के लिए एक पॉडकास्ट - 'सीबीएसई-शिक्षा वाणी' शुरू किया गया है।** इसे एंड्रॉइड प्ले स्टोर पर डाउनलोड किया जा सकता है। यह पॉडकास्ट माता-पिता सहित सभी हितधारकों के लिए शिक्षा के लिए नए विचारों औए नए साधनों के साथ-साथ समय-समय पर बोर्ड के दिशा-निर्देश/मार्गदर्शन और गतिविधियों के बारे में रोचक जानकारी प्रदान करता है । आप इसके साथ संपर्क में रह सकते हैं, क्योंकि बोर्ड इस पर माता-पिता और छात्रों से संबंधित विशेष रूप से पाठ्यक्रम और परीक्षाओं से संबंधित महत्वपूर्ण निर्देश प्रसारित करेगा ।

ऊपर उल्लिखित परिपत्रों के लिंक आपके डाउनलोड करने में आसानी के लिए दिए गए हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि इस जानकारी को आपके साथ साझा करने से न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए साझेदारी का निर्माण होगा, बल्कि यह आपके बच्चों को अपने बढ़ते और शिक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने में आपकी तरफ से महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त करने में मदद करेगा ।

टीम सीबीएसई की ओर से शुभकामनाएं !

हस्ता/-

(अनीता करवल)